SHRIJI INVEST - UNDERSTAND MUTUAL FUNDS

MUTUAL FUNDS

Mutual funds are entities that invest money collected from the public. They charge fund expense ratio around 1-2 percent. There are 44 mutual fund houses. These are managed by asset management companies. Every month around Rs 25 thousand crores of SIP is done in our country. Mutual funds are good for building wealth in the long term, but the returns are uncertain, there is no principal protection. There are about 2500 schemes in total in the mutual fund industry.

One can invest in stock market, debt [government and non-government bonds] and commodity [gold/silver] through mutual funds. There is no guarantee of returns in debt schemes as well. Some funds are total equity, some are debt and some mix equity and debt while others mix all the above asset classes.

SIP [Systematic Investment Plan] is to invest money in mutual funds periodically - daily, weekly, monthly.

There is an exit load as per the mutual fund house on withdrawal amount before 1 year. [About 1 percent of the value].

The stock market fluctuates frequently, so SIP is the best way to invest as one gets an average of all costs.

You can stop SIP at any time, there is no penalty.

As of November 30, 2024, the assets under management (AUM) of the Indian mutual fund industry was ₹68,08,101 crore If the country progresses, people will earn money through mutual funds.

I am a distributor of mutual funds. My commission is around 1%. Investors do not pay distributors like us. Mutual fund companies pay us.

If you are investing for a specific goal like children or retirement, it is best to look at guaranteed plans as the market works in cycles - bull and bear market cycles.

श्रीजी इन्वेस्ट - म्यूचुअल फंड को समझें

म्यूचुअल फंड
म्यूचुअल फंड ऐसी संस्थाएं हैं जो जनता से एकत्रित धन का निवेश करती हैं। वे 1-2 प्रतिशत के आसपास फंड एक्सपेंस रेशियो लेते हैं। 44 म्यूचुअल फंड हाउस हैं। इनका प्रबंधन एसेट मैनेजमेंट कंपनियों द्वारा किया जाता है। हमारे देश में हर महीने करीब 25 हजार करोड़ रुपये की SIP की जाती है। म्यूचुअल फंड लंबी अवधि में संपत्ति बनाने के लिए अच्छे हैं, लेकिन रिटर्न अनिश्चित हैं, मूलधन की कोई सुरक्षा नहीं है। म्यूचुअल फंड उद्योग में कुल मिलाकर करीब 2500 योजनाएं हैं।

म्यूचुअल फंड के जरिए शेयर बाजार, डेट [सरकारी और गैर-सरकारी बॉन्ड] और कमोडिटी [सोना/चांदी] में निवेश किया जा सकता है। डेट योजनाओं में भी रिटर्न की कोई गारंटी नहीं होती। कुछ फंड कुल इक्विटी होते हैं, कुछ डेट होते हैं और कुछ इक्विटी और डेट को मिलाते हैं जबकि अन्य उपरोक्त सभी एसेट क्लास को मिलाते हैं।

SIP [सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान] म्यूचुअल फंड में समय-समय पर पैसा लगाना है - दैनिक, साप्ताहिक, मासिक।

1 वर्ष से पहले निकासी राशि पर म्यूचुअल फंड हाउस के अनुसार एक्जिट लोड होता है। [मूल्य का लगभग 1 प्रतिशत]।

शेयर बाजार में अक्सर उतार-चढ़ाव होता रहता है, इसलिए SIP निवेश करने का सबसे अच्छा तरीका है क्योंकि इससे सभी लागतों का औसत मिलता है।

आप किसी भी समय SIP रोक सकते हैं, कोई जुर्माना नहीं है।

30 नवंबर, 2024 तक, भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग की प्रबंधन के तहत संपत्ति (AUM) ₹68,08,101 करोड़ थी। अगर देश तरक्की करता है, तो लोग म्यूचुअल फंड के जरिए पैसा कमाएंगे।

मैं म्यूचुअल फंड का वितरक हूं। मेरा कमीशन लगभग 1% है। निवेशक हमारे जैसे वितरकों को भुगतान नहीं करते हैं। म्यूचुअल फंड कंपनियां हमें भुगतान करती हैं।

यदि आप बच्चों या सेवानिवृत्ति जैसे किसी विशिष्ट लक्ष्य के लिए निवेश कर रहे हैं, तो गारंटीकृत योजनाओं को देखना सबसे अच्छा है क्योंकि बाजार चक्रों में काम करता है - बुल और बियर मार्केट चक्र।